Resumption of Train running between Sabarmati-Ahmedabad and Faizabad and Varanasi

1934. SHRI MAGANBHAI BAROT: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the train running between Sabarmati-Ahmedabad (Gujarat) and Faizabad and Varanasi (Banaras) was discontinued sometime back and later on discontinued beyond Faizabad;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that it was the most suitable and direct train for Gujarat people to go to various parts of U.P. and particularly to Lucknow and the holy places like Ayodhya and Banaras etc.; and

(d) if so, when the above train is likely to be extended upto Banaras?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) and (b). Train No. 163 Up/164 Dn Sabarmati Express and New No. 165 Up/166 Dn was introduced between Ahmedabad-Faizabad-Varanasi with effect from 26th January, 1976. This train was scheduled to run daily between Ahmedabad and Faizabad and twice a week between Faizabad-Varanasi. These trains were not well patronised between Faizabad and Varanasi and accordingly their run on Faizabad-Varanasi was cancelled from 17th November, 1977.

(c) and (d). From 3rd March, 1980 the runs of 165/166 Sabarmati Expresses over the curtailed section *viz.* Faizabad and Varanasi have since been restored on two days a week basis as before.

ग्वालियर-गुना लाइन

1935. **श्री एन. के. शेषवलकर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उज्जैन और इन्दौर को सीधे ही ग्वालियर के जोड़ने के लिये तथा ग्वालियर से गुजरात और उत्तर प्रदेश के लिये छोटे से छोटा रेल मार्ग बनाने के लिये ग्वालियर से शिवपुरी होते हुए गुना तक रेल लाइन बिछाने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) क्या ग्वालियर-शिवपुरी छोटी लाइन को उखाड़े जाने के फलस्वरूप 5 करोड़ रुपये की आय हुई है और क्या इस राशि को ग्वालियर -शिवपुरी तथा ग्वालियर-भिण्ड मीटर गेज लाइन में सुधार करने के लिये खर्च किया जायेगा; और

(ग) क्या यह सच है कि इन लाइनों पर चलने वाले इंजन लगभग 60 वर्ष पुराने हैं और इस समय इन लाइनों पर नये इंजनों तथा सवारी डिब्बों की आवश्यकता है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी. के. जाफर शरीफ) (क) जी नहीं ।

(ख) अभी तक रेलपथ के सामान की बिक्री से 67 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है । भूमि और भवनों को अभी बेचा जाना है । यह नीति नहीं है कि किसी क्षेत्र में परिसम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त धनराशि को केवल उसी क्षेत्र में खर्च किये जाने के लिए आबंटित किये जायें ।

(ग) जी नहीं ।

Drinking Water in Karjat

1936. SHRI A. T. PATIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether in view of the acute scarcity of drinking water in Karjat (C.R.), the Railway authorities propose to augment and increase the supply of drinking water to Karjat Village Panchayat to two lakh gallons, per day;

(b) if so, the year in which this target will be reached; and

(c) what are the probable measures to accelerate this programme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS

(SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) No. The Railway cannot spare more water, due to their own requirements being large.

(b) and (c). Do not arise.

कृषि श्रमिकों की मजदूरी का निर्धारण

1937. **श्री राम लाल राही** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर कृषि श्रमिकों को निर्धारित मजदूरी की अदायगी के औचित्य पर विचार कर रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके लिए निर्धारित की गई सरकारी नीति की मुख्य-मुख्य बातें क्या हैं ?

पर्यटन तथा नागर विमानन और श्रम मंत्री (श्री जे. बी. पटनायक): (क) और (ख). न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुसार, संबंधित सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य या उसके किसी भाग के लिये कृषि श्रमिकों के संबंध में न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की जा सकती है । ऐसा करते समय, स्थानीय दशाओं पर ध्यान दिया जाता है ।

लेखा कर्मचारियों की मांगें

1938. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नार्दन रेलवे मैनस यूनियन (एकाउन्ट्स डिवीजन) के तत्वाधान में नई दिल्ली में रेलवे के बैडमिंटन हाल में 13 और 14 जनवरी, 1979 को एक वार्षिक सम्मेलन हुआ था जिसमें लेखा कर्मचारियों की मांगों के बारे में कुछ संकल्प पारित किये गये थे ;

(ख) यदि हां, तो संकल्पों में की गई मांगों का ब्यौरा क्या है और उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी. के. जाफर शरीफ): (क) जी हां, लेकिन लेखा कर्मचारियों से संबंधित कोई भी संकल्प उत्तर रेलवे द्वारा प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता

. Wagon Allotment to West Bengal

1939. SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) how many railway wagons were promised to be provided for Bengal during the period from November, 1979 to February, 1980 for bringing cement, diesel and kerosene oil and sugar to that State from outside;

(b) how many wagons were allotted and how many actually supplied for the purpose; and

(c) the factors, if any, responsible for shortfall in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Quota for movement of cement is fixed factory-wise and not State-wise. There is no specific programme for rail movement of diesel and kerosene oil to West Bengal from outside the State. All supplies of these products are either by pipelines or by road only. Wagons for sugar loading for West Bengal are supplied as and when demands are placed by the consigners.

(b) Against a daily quota of 590 wagons for the linked States including West Bengal, the cement factories demanded only 380 wagons per day and the supply was 312 wagons per day during November, 1979 to February, 1980. Against linkage of approximately 116 wagons a day for movement of cement by rail to West Bengal, the actual loading average to 76 wagons per day.

During the same period, demands for 4244 wagons were placed for despatch of sugar to West Bengal, against which, 3814 wagons were supplied.

(c) Shortfall in cement movement is due to reduction in demands for